

संस्कृत भाषा में  
अर्थ : एक ही ओर होना

सं ६

कारणों को ही कहते हैं।  
बाकी का वह हिस्सा जो मुख्य  
है उसको ही प्रधान या स्वाधिकी कहते हैं।  
जहाँ ही प्रधान हुआ ही वह उस  
में काम ही नया वह स्वामी प्रमाण  
वह ही।